

प्रेषक,

अर्जुन सिंह
संयुक्त सचिव
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण उत्तरांचल
देहरादून।

चिकित्सा अनुभाग-3

देहरादून: दिनांक: 07 फरवरी, 2005

विषय: वित्तीय वर्ष 2004-05 में अनुदान संख्या-12 चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य- आयोजनेत्तर के अन्तर्गत
चिकित्सा प्रतिपूर्ति मद में पुनर्विनियोजन की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके के पत्र सं०-55/8/44/2004-05/28682 दिनांक 4.12.2004 के सदर में मे मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2004-05 में संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र बी०एम०-15 के अनुसार एलोपैथिक एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय योजना के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में कुल रु० 30,00,000-00 (रु० तीस लाख मात्र)की धनराशि व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त धनराशि को संलग्न पत्रानुसार संबंधित अधिकारी को अधिकारियों को अवमुक्त कर दिया जाए ताकि वार्षिक धनराशि का व्यय समय से हो सकें।

3- उक्त व्यय लेखानुदान वर्ष 2004-05 के आय-व्यय में अनुदान संख्या -12 के लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनेत्तर -01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें-पारिवाहिक चिकित्सा पद्धति, 110 अस्पताल तथा औषधालय 03 एलोपैथिक एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय, 27-चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति के नामे उला जायेगा तथा संलग्न पुनर्विनियोग प्रपत्र बी०एम०-15 के अनुसार लेखाशीर्षक 2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनेत्तर -01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें-पारिवाहिक चिकित्सा पद्धति, 110 अस्पताल तथा औषधालय, 03 एलोपैथिक एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय 48-महंगाई वेतन की वृद्धि से बचत की जायेगी।

4- यह आदेश वित्त विभाग के असा० सं०-1156/वित्त अनुभाग-2/2005 दिनांक 4.2.2005 में प्राप्त सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोक्त

भवदीय

(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, भाजरा देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार, उत्तरांचल, देहरादून।
- 3- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 4- वित्त निगंत्रक, चिकित्सा विभाग, उत्तरांचल।
- 5- वित्त अनुभाग-2, नियोजन विभाग/एन.आई.सी।
- 6- गार्ड फाइल।

आज्ञा से
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

(वित्तीय वर्ष 2004-05)

नियंत्रकअधिकारी,

महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण,

अनुदान सं0-12

उत्तरांचल, देहरादून ।

खंड प्राविधान तथा लोकशोधक का विवरण (मानक भर)	मानक मस्तर अध्याधिक व्यय	वित्तीय वर्ष कई रोम अर्वाय में व्यय	अवरोध (तारख)	लोकशोधक जिनमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है (मानक भर)	पुनः-विनिर्वाजन के बाद अवरोध धनराशि	पुनः-विनिर्वाजन के बाद कोतम-1 की अवरोध धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनेतर -01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें-प्राश्चात्य चिकित्सा पद्धति 110 तथा 03 एकीकृत चिकित्सालय और 48- महगाई वेतन	10656	46844	5000	2210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य आयोजनेतर -01 शहरी स्वास्थ्य सेवायें -प्राश्चात्य चिकित्सा पद्धति 110अस्पताल तथा औषधालय 03 एकीकृत चिकित्सालय और औषधालय 27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति	3500	59500	क-मानक भर के अन्तर्गत वेतन में अवरोधकता के अधिक प्राविधान होने कारण अवरोध है। ख-नौकराणा प्रतिपूर्ति के द्वारे के पुनर्वाजन धनराशि कम रह जाने के कारण अवरोधकता है।
62500	10656	46844	5000	3000	3500	59500	
62500	10656	46844	5000	3000	3500	59500	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनिर्वाजन से बचत मैनुअल के परिच्छेद
151,156 में उल्लिखित प्रतिबन्धों एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है ।


(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव

उत्तरांचल शासन
वित्त अनुभाग-2

संख्या (A) वित्त अनु-2/2004
देहरादून: दिनांक: 02.02.2005

पुनर्विमियोजन स्वीकृति

सेवा में,

महालेखाकार,

उत्तरांचल (लेखा एवं हकदारी)

माजरा सहरनपुर रोड, देहरादून।

संख्या-1189/XXVIII(3)-2004-218/2004 दिनांक तदुद्दिनांकित

प्रतिलिपि निर्मालिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कार्रवाइें हेतु प्रेषित:-

1. दर्जित कांषाधिकारी/कांषाधिकारी उल्लेखित।
2. वित्त अनुभाग-2
9. गार्ड फाईल

एल. एम. पन्त
अपर सचिव
वित्त विभाग

आज्ञा से,
(अर्जुन सिंह)
संयुक्त सचिव